माननीय राज्यपाल हरियाणा प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा चण्डीगढ में स्वतंत्रता दिवस समारोह, 15 अगस्त, 2016 में दिए जाने वाले भाषण का प्रारूप।

प्यारे देशवासी भाईयो व बहनो! स्वतंत्रता दिवस की 69वीं वर्षगांठ पर मैं आप सबको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। इसी दिन 1947 में हमें आजादी का अमूल्य उपहार प्राप्त हुआ था। इसलिए 15 अगस्त का दिन हम भारतवासियों के लिए बड़े गर्व और गौरव का दिन है। यह पावन पर्व हमें उन सभी देशभक्तों और शहीदों को नमन करने और श्रद्धांजलि देने का अवसर प्रदान करता है जिनके त्याग और बलिदानों से हमारा देश विदेशी हुकुमत के चंगुल से आजाद हुआ था। इसलिए आज यह पर्व मनाया जाना औपचारिकता मात्र नहीं है बल्कि आज हम हर कीमत पर आजादी की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं।

आज चण्डीगढ की इस पावन भूमि पर मैं आजादी की लड़ाई में अपनी जान कुर्बान करने वाले सब ज्ञात–अज्ञात अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। साथ ही उन सब स्वतंत्रता सेनानियों को भी नमन करता हूं जिन्होंने हमें स्वतंत्रता का उपहार देने के लिए विदेशी शासकों के हाथों कठोर यातनाएं सहीं।

आजादी के इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें लम्बे समय तक संघर्ष करना पड़ा। हमारा स्वतंत्रता आन्दोलन इतिहास के पन्नों में एक युगान्तकारी घटना थी। महात्मा गांधी के नेतृत्व में उस आंदोलन का हथियार अहिंसा था। दूसरी ओर राजगुरू, सुखदेव, सरदार भगतसिंह जैसे वीरों ने हंसते–हंसते फांसी के फंदे को चूमा। लाला लाजपत राय ने लाठियां खाईं। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, चन्द्रशेखर आजाद और न जाने कितने ही देशभक्तों ने आजादी की बलिदेवी पर अपने प्राण न्यौछावर किए।

प्रिय देशवासियो! हम उन वीरों के सदैव ऋणी रहेंगे। आज उन सबकी कुर्बानियों की यादें हमारे दिलों में ताजा हो गई हैं। आइए हम उनके जैसी देशभक्ति, देशप्रेम, साहस व कर्त्तव्यनिष्ठा का प्रण लें। उनके द्वारा दिलवाई गई इस स्वतंत्रता, राष्ट्रीय एकता व अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने की कसम खाएं।

हमारा यह भी परम कर्त्तव्य है कि हम मातृभूमि की रक्षा के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले शहीदों और सेवारत सैनिकों के परिवारों और उनके आश्रितों का पूरा ध्यान रखें। इसीलिए हमारी सरकार ने शहीदों के परिवारों और उनके आश्रितों को अनेक शैक्षणिक आरक्षण और वित्तीय लाभ दिए हैं ताकि वे आरामदायक व सम्मानजक जीवन व्यतीत कर सकें।

भाईयो और बहनो! आजादी पाने के बाद देश का नवनिर्माण करना हमारे लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। इस चुनौती का सामना करते हुए हमारे नेताओं ने प्रगतिशील सोच के साथ देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अथक प्रयास किए। हमारे महान दूरदर्शी नेता डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, डॉ० भीमराव अम्बेडकर, लोक नायक जय प्रकाश नारायण, डा0 राम मनोहर लोहिया, मौलाना अब्दुल

कलाम आजाद जैसे नेताओं ने लोगों की रचनात्मक क्षमताओं का उपयोग राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र निर्माण के कार्य में किया।

आजादी का लक्ष्य भी यही था। हमने खुद को सदियों के कुशासन से मुक्ति दिलाने, गरीबी, अज्ञानता को मिटाने, साम्प्रदायिकता और जातिगत पूर्वाग्रहों से मुक्ति पाने के लिए ही स्वतंत्रता की कामना की थी। पिछले 69 सालों से हम इन विसंगतियों से लड़ाई लड़ रहे हैं। इस दौरान भारत न केवल अपने पैरों पर खड़ा हुआ है बल्कि विश्व की बड़ी शक्तियों में शुमार हो गया है। भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। हमें अपने इस महान देश पर गर्व है।

आज हम अपने उन राष्ट्र निर्माताओं, सीमा प्रहरी सैनिकों, प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों, अन्नदाता किसानों और मेहनतकश कामगारों के प्रति भी गहन कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, साहस और मेहनत के बल पर भारत को दुनिया की बड़ी शक्ति के रूप में खड़ा कर दिया है। मैं सब देशवासियों का आह्वान करता हूं कि उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढते हुए भारत को 21वीं सदी की सर्वोच्च शक्ति बनाने के काम में जुट जाएं।

प्यारे देशवासियो! आजादी पाने से अब तक के भारत की गौरवपूर्ण यात्रा में हर कदम पर हर भारतीय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हमें गर्व है कि पंजाब, हरियाणा व चण्डीगढ के लोगों ने भी देश के स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई थी। 10 मई 1857 को स्वतंत्रता आन्दोलन की पहली चिंगारी अम्बाला से फूटी थी। इसी क्षेत्र की धरती ने अमर शहीद लाला लाजपत राय, शहीद–ए–आजम भगत सिंह, उधम सिंह जैसे शूरमाओं को जन्म दिया है। यहां के वीरों ने आजादी के बाद भी देश की सीमाओं की सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे सैनिकों ने 1962, 1965 व 1971 के विदेशी आक्रमणों और आप्रेशन कारगिल युद्ध के दौरान वीरता की नई मिसाल पेश की है। यहां के वीर कभी भी राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अपने अमूल्य प्राणों की आहूति देने से पीछे नहीं हटे।

मैं स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता हूं कि मुझे भारत के गौरव की प्रतीक सुन्दर नगरी और अब स्मार्ट सिटी बन रहे चण्डीगढ में ध्वजारोहण का अवसर मिला है। यह संयुक्त पंजाब में एक रहे दो राज्यों पंजाब व हरियाणा की राजधानी है। हमें गर्व है कि चण्डीगढ की तरह पंजाब में लुधियाना और हरियाणा में फरीदाबाद भी स्मार्ट सिटी की सूची में स्थान बना चुके हैं।

इस क्षेत्र के मेहनती और प्रगतिशील नागरिकों ने विकास के ऐसे कीर्तिमान स्थापित किए हैं जो पूरे देश के लिए अनुकरणीय हैं। पंजाब देश का पहला विकसित राज्य है तो हरियाणा ने भी विकास के क्षेत्र में अग्रणी स्थान बना लिया है। देश के अन्न भण्डार को भरकर भारत को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में पंजाब व हरियाणा के योगदान को आप सब जानते हैं। इसीलिए इस क्षेत्र को गर्व से अन्न का भण्डार कहा जाता है।

इसी प्रकार इन राज्यों ने औद्योगिक क्षेत्र में भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यहां आधुनिक शिक्षा के हर संकाय और विषय की शिक्षा देने के लिए अनेक विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान खुल चुके हैं। इस क्षेत्र में बहुत ही उत्तम व आधुनिक आधारभूत सुविधाएं विकसित की गई हैं। यहां अति विकसित औद्योगिक संपदाएं, सड़कों व रेलमार्गों का जाल, उत्तम संचार सुविधाएं और आधुनिक तकनीकी व शिक्षण संस्थान मौजूद हैं। यहां चमचमाते चौड़े राजमार्ग, एक्सप्रेस वे, रेलमार्ग का जाल बिछ चुका है।

चण्डीगढ व दोनों राज्यों में डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, कौशल विकास, स्मार्ट सिटी, प्रधानमंत्री जनधन, सुरक्षा बीमा व जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, स्वच्छ हरियाणा–स्वच्छ भारत, सांसद आदर्श ग्राम योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढाओ योजना आदि योजनाएं भी तेजी से लागू की जा रही हैं।

आप जानते हैं कि स्वतंत्र भारत का आधुनिक नगर चण्डीगढ पूरे देश के लिए आदर्श है। जब भी कहीं नगर विकास की चर्चा होती है तो चण्डीगढ जैसा सुनियोजित व प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर नगर बनाने की बात होती है। हमें गर्व है कि हाल ही में यहां के कैपिटल काम्पलेक्स को यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है। आप जानते हैं कि कैपिटल काम्पलेक्स चण्डीगढ के वास्तुकार ली कार्बूजिए के विख्यात कार्यों में से एक है।

यहीं पर गत 21 जून को दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय स्तर के समारोह का आयोजन किया गया। उसमें स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भाग लिया। प्रधानमंत्री जी की ही डिजीटल इंडिया योजना के मुताबिक चण्डीगढ में नवीनतम तकनीक का उपयोग कर प्रशासन की दक्षता को बढाया गया है। चण्डीगढ देश का पहला नगर है जिसने नेशनल रिकार्ड मार्डनाइजेशन प्रोग्राम शुरू किया है। ई–गवर्नेंस के जरिए इस नगर को तेजी से सूचना प्रौद्योगिकी से लैस नगर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। इस दिशा में माय चण्डीगढ मोबाइल एपलीकेशन शुरू किया गया है। इसमें सिटी बस गाइड एंड ई पेमेंट मोबाइल एप को शामिल किया गया है। एम–सम्पर्क, मोबाइल आर0एल0ए0 और ई–कैम्पस मोबाइल एप पहले से ही चल रहे हैं।

यही नहीं नागरिकों को सूचना प्रौद्यागिकी के लाभ देने के लिए ई–सम्पर्क, ई–जन सम्पर्क, एम–डायरेक्ट्री, ई–स्टैम्पिंग, ई–कैम्पस, ई–एजुकेशन, ई–सक्षम, ई–पेमेंट और ग्राम सम्पर्क जैसे कदम उठाए गए हैं। ई–गवर्नेंस के जरिए नागरिकों को सुविधाएं देने में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग भी काफी आगे है। यह डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम के तहत हर मास 2 करोड़ 5 लाख रूपये की राशि नकद सब्सिडी के रूप में 47 हजार 250 बैंक खातों में ट्रांसफर करता है। इन बैंक खातों को आधार नम्बर से जोड़ा गया है।

चण्डीगढ में पेयजल आपूर्ति को दुरूस्त करने के लिए नगर निगम ने कजौली वाटर वर्क्स से प्रतिदिन 35 मिलियन गैलन अतिरिक्त पानी लाने का काम हाथ में लिया है। शहर को स्लम फ्री करने के लिए आवास बोर्ड ने इस साल दो हजार 108 फ्लैट बनाए हैं। बिजली क्षेत्र में तारों पर पेड़ गिरने से आने वाली रूकावट को दूर करने के लिए

भूमिगत बिजली वितरण प्रणाली बनाने की योजना है। यह काम सेक्टर–8 से शुरू किया जाएगा। परिवहन सेवाओं के विस्तार के लिए सी0टी0यू0 के बेड़े में 181 बसें और शामिल की गई हैं और 49 पुरानी मिनी बसों की जगह नई मिनी बसें चालू की गई हैं। वरिष्ठ नागरिकों को लंबे रूट पर भी आधे किराए की छूट प्रदान की गई है।

हमें गर्व है कि प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने के लिए चण्डीगढ को संघीय क्षेत्र वर्ग में लोक प्रशासन में प्रधानमंत्री अवार्ड फॉर एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया है। इस योजना में हर घर से एक बैंक खाते को जोड़ने के लक्ष्य को 7 मास में पूरा किया गया है। चण्डीगढ प्रशासन इसलिए भी बधाई का पात्र है कि भारत सरकार ने इस शहर को राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया है। स्वास्थ्य के ही क्षेत्र में यहां खाने–पीने की चीजों में मिलावट की जांच के लिए मोबाइल फूड टेस्टिंग लेबोरेटरी शुरू की गई है। मरीजों की सुविधा के लिए नगर में 6 नई एम्बुलैंस और तैनात की गई हैं जिनकी सेवाएं मुफ्त प्रदान की जाती हैं।

स्वास्थ्य का पर्यावरण से गहरा नाता है और पर्यावरण को बचाने में पेड़ कारगर भूमिका निभाते हैं। हर्ष का विषय है कि चण्डीगढ की ग्रीन कवर 37 प्रतिशत से बढकर 40 प्रतिशत हो गया है। इसी दिशा में चण्डीगढ को सोलर सिटी बनाने के लिए लिए अनेक सोलर पावर प्लांट स्थापित किए गए हैं। इसके लिए चण्डीगढ देश के सब सोलर सिटीज में प्रथम रहा है और हमें नेशनल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

चण्डीगढ पुलिस को भी स्मार्ट पुलिस बनाने के लिए पर्याप्त कदम उठाए गए हैं। आई–क्लिक क्योस्क, मोबाइल सेफ्टी एप्प, महिला व बाल हैल्पलाइन, वूमैन पी0सी0आर0, पिक एंड ड्राप फैसिलिटी, आप्रेशन मुस्कान आदि शुरू कर पुलिस को नागरिकों की सहायता व सुरक्षा में तत्पर व दक्ष बनाया गया है।

मैं स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पंजाबवासियों को भी बधाई देता हूं कि पंजाब एक विकसित राज्य का सपना साकार करने के लिए प्रगति के पथ पर अग्रसर है। आजादी के बाद देश की प्रगति में पंजाब का उल्लेखनीय योगदान है। इस प्रदेश ने देश की रक्षा के साथ आर्थिक विकास के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अपनी प्रगतिशील नीतियों के चलते पंजाब ऐसा प्रदेश है जो अपनी जरूरत से भी अधिक बिजली पैदा करता है। यह एकमात्र ऐसा प्रदेश है जहां किसानों को मुफ्त बिजली मिल रही है और उद्योगों के लिए बिजली दरें कम की गई हैं।

पंजाब को नवीकरणीय उर्जा और बिजली उत्पादन के क्षेत्र में केन्द्र सरकार से पांच पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत पंजाब के बठिंडा में एम्स खोलने का अनुमोदन किया है। सड़क परिवहन के क्षेत्र में तो पंजाब ने अत्यन्त महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को पूरा किया है और अनेक पर काम जारी है। सड़कों को चार व छह लेन का करने पर 28 हजार 678 करोड़ रूपये का निवेश किया गया है। राज्य में ई–गर्वनेंस के जरिए पारदर्शी व समयबद्ध सेवाएं

देने के लिए दो हजार 174 सेवा केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा 164 फर्द केन्द्र, 132 सुविधा केन्द्र और 500 सांझ केन्द्र चल रहे हैं।

मैं स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हरियाणवासियों को भी इस बात की विशेष बधाई देता हूं कि उन्होंने कड़ी मेहनत और सच्ची लगन से हरियाणा को अनेक क्षेत्रों में अग्रणी राज्य बना दिया है। हरियाणा इस साल अपनी स्वर्ण जयंती मना रहा है। हमें गर्व है कि 1966 में बने हरियाणा की गिनती 50 साल बाद आज देश के विकसित राज्यों में होती है और इस प्रदेश की प्रगति की आज देश–विदेश में चर्चा है।

आजादी के आन्दोलन में हरियाणा का अविस्मरणीय योगदान है, आजादी के बाद भी यह देश को हर दस में से एक सैनिक प्रदान करने वाला प्रदेश है। यह ओलम्पिक और अन्य अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में भारत की शान बढाने वाले खिलाड़ियों का राज्य है।

हरियाणा में प्रदेश सरकार ने सुशासन प्रदान करने के लिए जो ई–गर्वनेंस के जरिए गुड गर्वनेंस का रास्ता और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टोलरेंस नीति अपनाई है, वह सराहनीय है। इस दिशा में ज्यादातर विभागों की सेवाओं को डिजीटल कर दिया गया है। इस कृषि प्रधान राज्य में फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करने के लिए 'फसल बीमा योजना' को लागू किया गया है। हरियाणा में आज पर्याप्त बिजली उपलब्ध है व सौर उर्जा को बढावा दिया जा रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में सरकार का लक्ष्य हर जिले में एक मेडिकल कालेज खोलना है।

हरियाणा सरकार ने खेल व उद्योग क्षेत्र की प्रगति को तेज करने के लिए नई नीतियां लागू की हैं। नई उद्यम प्रोत्साहन नीति प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' विजन को साकार करने का प्रयास है। इसके तहत इसी साल मार्च में आयोजित हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स सम्मिट बेहद सफल रही है। खेल क्षेत्र में 'हरियाणा शारीरिक गतिविधि एवं खेल नीति' में योग और क्षेत्रीय खेलों को भी शामिल कर युवाओं को स्वस्थ बनाने का सराहनीय काम किया गया है। पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए हरियाणा ने पढे–लिखे लोगों को ही पंच–सरपंच बनाकर देश के सामने उदाहरण पेश किया है।

एक कल्याणकारी राज्य होने के नाते हरियाणा में विकास व प्रगति का लाभ गरीब से गरीब व्यक्ति तक पहुंचाकर उनके लिए रोटी, कपड़ा व मकान सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है। भौतिक विकास के दौर में गीता की इस पावन भूमि ने अपनी महान सांस्कृतिक धरोहर को भी सुरक्षित रखा है।

अब यहां गौहत्या कानूनन अपराध है। यहां गीता उत्सव पूरे राज्य में मनाया जाता है और इस साल तो इसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का मनाया जाएगा। पावन सरस्वती को फिर से धरा पर लाने के प्रयास जारी हैं।

मैं इन उपलब्धियों के लिए चण्डीगढ, हरियाणा व पंजाब के उद्यमियों, कर्मठ किसानों और श्रमिकों को बधाई देता हूं। यह गौरव की बात है कि एकता, भाईचारा और परस्पर सौहार्द इस क्षेत्र की परम्परा रही है। मुझे उम्मीद है कि आप इस परम्परा को सदैव

बनाए रखेंगे। देश विरोधी ताकतों के घिनौने इरादों को विफल करने का यह कारगर उपाय है।

प्यारे देशवासियो! उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ–साथ आज आत्म अवलोकन का दिन भी है। आज नई चुनौतियां और समस्याएं देश व समाज को कमजोर कर रही हैं। आज हमें देश के हर नागरिक में देशप्रेम का वह जज्बा भरना है जो स्वतंत्रता संघर्ष में शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के हृदय को उद्वेलित कर रहा था। हमें बच्चों व युवाओं को ऐसी शिक्षा देनी है कि वे आधुनिकता व विशेषज्ञता की दौड़ में आगे निकलने के साथ–साथ प्राचीन भारतीय दर्शन, सभ्यता व संस्कृति के उच्च मूल्यों को भी जीवन में आत्मसात करें। उनमें पंथनिरपेक्ष व वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास हो।

इस ऐतिहासिक दिवस पर जब हम अपना स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, मैं देशवासियों से आग्रह करता हूं कि वे भाईचारे, शांति और साम्प्रदायिक सौहार्द को सुदृढ़ करने में अपना सहयोग दें ताकि प्रत्येक क्षेत्र में चहुंमुखी विकास के उद्देश्य को हासिल किया जा सके। मैं एक बार फिर भारत के स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आप सबके सुखी और सुनहरे भविष्य की कामना करता हूं।

जयहिन्द!